UP GK

Saharanpur
Shamli
Muzaffarnagar
Bijnor
Meerut
Amroha
Rampur
Moradabad
Hapur
Sambhal
Pilibhit
Noida
Bulandshahr
Bareilly
Budaun
Shahjahanpur
Lakhimpur
Aligarh
Kasganj
Hathras
Etah
Mathura
Farrukhabad
Hardoi
Sitapur
Bhinga
Bahraich
Balrampur
Mainpuri
Agra
Firozabad
Naogarh
Maharajganj
Padrauna
Kannauj
Gonda
Lucknow
Barabanki
Etawah
Faizabad
Basti
Khalilabad
Gorakhpur
Deoria
Unnao
Auraiya
Kanpur
Akbarpur
Akbarpur
Rae Bareli
Sultanpur
Amethi
Azamgarh
Orai
Hamirpur
Fatehpur
Pratapgarh
Mau
Ballia
Jaunpur
Ghazipur
Manjhanpur
Jhansi
Banda
Prayagraj
Gyanpur
Varanasi
Mahoba
Chitrakoot Dham
Chandauli
Mirzapur
Robertsganj

उत्तर प्रदेश की भौगौलिक परिचय

1 क्षेत्रफल : 240928 वर्ग किलोमीटर

2. भारत के कुल क्षेत्रफल का : 7. 33 %

3 . आक्षांशीय विस्तार :23 *52 ^ से 30 *28 ^ उत्तरी अक्षांश के मध्य

4. देशांतरीय विस्तार 77 *30 ^ से 84 *39^ पूर्वी देशांतर के मध्य

5. पूर्व से पश्चिम लम्बाई : 650 km

6. उत्तर से दक्षिण : 240 km

7 . उत्तर में सीमावर्ती राज्य : उत्तराखंड , हिमाचल प्रदेश

8 . दक्षिण में सीमावर्ती राज्य : मध्य प्रदेश , छत्तीसगढ़

9. पूर्व में सीमावर्ती राज्य : बिहार , झारखंड

10. पश्चिम में सीमावर्ती राज्य : हरियाणा , राजस्थान

11. एकमात्र संघीय राज्य(UT):दिल्ली

12. एकमात्र सीमावर्ती देश : नेपाल

13. अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करने वाले जिले : लखीमपुर खीरी , पीलीभीत , बहराइच , श्रावश्ती , बलरामपुर , सिद्धार्थनगर , महराजगंज (नेपाल के साथ सीमा साझा)

14. एनसीआर में शामिल जिले : ग़ज़िआबाद , मेरठ , हापुड़ , गौतमबुद्ध नगर , बुलंदशहर , मुज़फ्फरनगर , शामली,

मृदा कृषि एवं पशुपालन :

1. मृदा अध्ययन : pedalogy

2. उत्तर प्रदेश की मिटटी को तीन भागों में बांटा जा सकता है : भाबर एवं तराई क्षेत्र की मृदा

मध्य के मैदानी क्षेत्र की मृदा

दक्षिण के पठारी क्षेत्र की मृदा

A . भाबर एवं तराई क्षेत्र की मृदा : उत्तरी भूभाग में पायी जाने वाली , हिमालयी नदियों के भारी निक्षेपों से निर्मित , मोटा बालू और अधिक कंकड़ पत्थर पाए जाते हैं।

b . मध्य के मैदानी क्षेत्र की मृदा : खादर या कछारी मृदा या इसे नवीन जलोढ़ मिटटी भी कहते हैं , हलके भूरे रंग की होती है , जल को रोक रखने की क्षमता होती है , बलुआ दोमट या मटियार आदि नामों से भी जाना जाता है , नदियों की सबसे पास पायी जाने वाली मृदा।

बांगर मृदा : (प्राचीन जलोढ़ मृदा) मध्य क्षेत्र का वह भूभाग जहाँ गंगा तथा यमुना नदियों की बाढ़ का पानी नहीं पहुँचता। इस मृदा को दोमट , मटियार दोमट , या मटियार बलुई दोमट भी कहते हैं।

भूड़ मृदा : बलुई तथा दोमट मिटटी , ऊँचे ऊँचे टीले पाए जाते हैं। इसके कण खुदरे होते हैं। मुरादाबाद तथा सम्भल क्षेत्रों में अधिकता से पायी जाती है।
काली मृदा : (रेगुर , काली कपास मृदा) अधिक नमी सोखने की क्षमता , पश्चिम तथा बुंदेलखंड क्षेत्र में पायी जाती है।
लवणीय तथा क्षारीय मृदा : (रेह या बंजर या कल्लर मृदा) ph 7 -8. 5 लवणीय मिटटी का , अलीगढ कानपूर एटा इटावा , मैनपुरी , जौनपुर , प्रतापगढ़ , प्रयागराज आदि जिलों में पायी जाती है।
मरुस्थलीय मृदा : मथुरा , आगरा , अलीगढ एवं अधिक तापमान वाले क्षेत्रों में , पानी कम सोखती है , नाइट्रोजन , व् जीवाश्म की कमी। बाजरा अनाज व् दालों जैसे मोटे अनाज की खेती की जाती है।

c . दक्षिण के पठारी क्षेत्र की मृदायें : झांसी , बांदा , ललितपुर , हमीरपुर , जालौन, महोबा तथा चित्रकूट (बुंदेलखंडी मृदा) , सोनभद्र एवं मिर्ज़ापुर जनपदों में भी पायी जाती है , भोटा / माड़ , पड़वा , राकड तथा लाल मिटटी भी कहते हैं।
भोटा मृदा : विंध्य पर्वतीय क्षेत्र में पायी जाती है , मोटे अनाज की फसलें उगाई जाती है , हलके लाल रंग की।
माड़ मृदा : पश्चिमी सीमा के जिलों में पायी जाती है। चिकनी होती है। सिलिकेट की अधिकता होती है कीचड़ जैसी होती है, कृषि योग्य नहीं है।
पड़वा मृदा : हलके लाल रंग की , हमीरपुर जालौन एवं यमुना के बीहड़ों में पायी जाती है।
राकड मृदा : दक्षिण के पर्वतीय एवं पठारी ढलानों पर अधिकता में पायी जाती है , लाल भूरे रंग की दानेदार मृदा , तिल , एवं चना के लिए उपयुक्त।
लाल मृदा : झांसी ,मिर्ज़ापुर, चंदौली तथा सोनभद्र जिलों में पायी जाती है। दलहन व् तिलहन की फसल के लिये उपयुक्त।

कृषि : उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मेरुदंड। गेंहू, गन्ना , आलू तथा खाद्यान उत्पादन में देश में प्रथम स्थान। प्रदेश में लगभग 165 . 98 लाख हेक्टेयर (68 . 7 %) क्षेत्र में कृषि(2014 -15)। 88 % कृषि योग्य भाग में खाद्यान बोया जाता है। देश के खाद्यान उत्पादन में उत्तर प्रदेश का योगदान लगभग 18 % . प्रदेश की कुल कार्यशील जनसंख्या के 59. 3 % लोग कृषि में कार्यरत (2011 जनगणगना)

प्रदेश को 9 कृषि (शष्य) जलवायु क्षेत्रों में बांटा जा सकता है (भूभाग एवं मृदा के आधार पर)

1. भाबर - तराई क्षेत्र
2. पश्चिमी मैदान
3. मध्य - पश्चिमी मैदान
4. दक्षिणी - पश्चिमी मैदान
5. मध्य मैदान
6. बुन्देलखंड प्रदेश
7. उत्तरी पूर्वी मैदान
8. पूर्वी मैदान
9. विंध्य मैदान

फसल चक्र : रबी , खरीफ , जायद

रबी : अक्टूबर - नवम्बर में बुवाई और मार्च अप्रैल में कटाई (गेंहू , चना , जौ , मटर , मसूर , सरसों , अलसी , तम्बाकू , आलू आदि)

खरीफ : मई - जून में बुवाई और सितम्बर अक्टूबर में कटाई (ज्वार , बाजरा , मक्का , धान , सन , कपास , मूंगफली , गन्ना , मूंग उडद , तूर , सोयाबीन आदि)

जायद : मार्च - अप्रैल में बुवाई जून जुलाई में कटाई (फल , फूल सब्जियां)